



Maharshi Dayanand University, Rohtak
(A State University Established Under Haryana Act No. XXV of 1975)
A* Grade University Accredited by NAAC

No. ACS-I/III/2025/36326-578
Dated : 01.10.2025

To

1. The Director,
(IMSAR/UIET/Computer Science)
M.D. University, Rohtak
2. The Principals/Directors,
Colleges/Institutes,
affiliated to M.D. University, Rohtak.

Subject: Offering of Non-Credit Course in Indian or Foreign Language for BBA/BCA Program based on AICTE Framework and Updation of Coding/Scheme.

Sir/Madam,

It is for your kind information that as per AICTE framework for BBA and BCA Program (copy attached), the students are required to opt an additional course of non-credit in Indian or Foreign Language (other than Mother Tongue and English) of (L:1, T: 1, P:0) of 100 marks.

In this regard, please find enclosed herewith the Syllabi and Scheme of non-credit course in Hindi and Sanskrit Language to be opted by the students of BBA and BCA Program w.e.f. 2025-26 in 1st and 2nd semester with formative assessment as under:

Note: Evaluation will be based on formative assessment.

	Marks distribution
Written test (2 X 10)	20
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 20)	40
Role play	10
Essay / Article / Report writing	20
Attendance	10
Total	100

Further, in view of the communications/queries received from various stakeholders, the coding/scheme of the files uploaded on the Google Drive has been slightly modified.

In terms of the above, you are requested to go through the Syllabus/Scheme available on the Google Drive and inform the students accordingly. If still there are any issues pertaining to implementation of NEP 2020, kindly feel free to inform the same.

Yours sincerely,

[Signature]
01/10/25
Superintendent (Academic)

Endst. No. ACS-I/III/36579-86

Dated: 01.10.2025

A copy of the above is forwarded to the following for information and necessary action:

1. Head, Department of Hindi, M.D.University, Rohtak with the information that the already offered Ability Enhancement Course has been offered as non-credit course for the students of BBA/BCA Program as per AICTE Framework.
2. Head, Department of Sanskrit, M.D.University, Rohtak with the information that the already offered Ability Enhancement Course has been offered as non-credit course for the students of BBA/BCA Program as per AICTE Framework.
3. Head, Department of English & Foreign Language, M.D. University, Rohtak is requested to design the Syllabus/SOE for non-credit course for the student of BBA/BCA based on AICTE framework for the next session.
4. Director, University Computer Centre, M.D.University, Rohtak.
5. Controller of Examinations, M.D.University, Rohtak.
6. OSD/PA to Vice-Chancellor/Dean Academic Affairs/DCDC/Registrar(for kind information to Vice-Chancellor/DAA/DCDC/Registrar) M.D.University, Rohtak.

[Signature]
01/10/25
Superintendent (Academic)

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR NON-CREDIT COURSE FOR BBA/BCA (1st/2nd SEMESTER) BASED ON AICTE FRAMEWORK

Offering Department			Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks (formative assessment)
											Internal	External	Internal	External	
Semester I															
Department of Hindi	हिंदी भाषा संवर्धन-1	25HNDX01AE01	1	1	0	00	1	1	0	02	-	-	-	-	100
Semester II															
Department of Hindi	हिंदी भाषा संवर्धन-2	25HNDX02AE01	1	1	0	00	1	1	0	02	-	-	-	-	100

L: Lecture; T: Tutorial; P: Practical

हिंदी भाषा संवर्धन-1

Semester I

Course Code	225HNDX01AE01	Course Credits	2 (L:T:P:) (1:1:0)
Max. Marks	100		

Note: Evaluation will be based on formative assessment.

	Marks distribution
Written test (2 X 10)	20
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 20)	40
Role play	10
Essay / Article / Report writing	20
Attendance	10
Total	100

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्त्व एवं गुणवत्ता से सुविज्ञ करवाकर हिन्दी की ओर उन्मुख करना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी-भाषा की वैज्ञानिकता के विषय में बतलाकर इसके गौरव से सुपरिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के माध्यम से नवयुवक-नवयुवतियों को राष्ट्रियता के पुनीत भावों की ओर उन्मुख करना।

Course Outcomes

1. शुद्ध हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि होगी।
2. व्यवसाय एवं रोजगार की उपलब्धता वाले सभी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा में निष्णात युवाओं की प्रतिभागिता में अभिवृद्धि होगी।
3. अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी-भाषा के वर्चस्व की स्थापना होगी और हिन्दी-भाषी को देश और विदेश में समुचित सम्मान मिलेगा।

इकाई-1

लिपि का मानकीकरण, मानक वर्णमाला, देवनागरी अंक माला, अनुस्वार और विसर्ग, अनुनासिक,

इकाई— II

सृजनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप: आलोचनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप: सृजनात्मक साहित्य का भाषा-विकास में महत्त्व,

इकाई— III

अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और स्वरूपय अनुवाद का महत्त्व, अनुवादक के गुण, अनुवाद के प्रकार : अनुवाद में कंप्यूटर का योगदान, सीरियलों का हिंदी अनुवाद, बैंकिंग साहित्य का अनुवाद, अनुवाद-क्षेत्र में रोजगार

इकाई—IV

पत्र प्रस्तुतीकरण का अर्थ, पत्र प्रस्तुतीकरण और नवीन शोधात्मक वैचारिकता, पत्र प्रस्तुतीकरण और शिक्षक की भूमिका, प्रस्तोता का मनोबल, वक्तृत्व कला का विकास, शोधात्मक अभिरुचि का विकास

प्रेरणास्पद पुस्तकें :

1. डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, शुद्ध लेखन और हिन्दी का मानक रूप, विद्या भारती, संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
2. सम्पा० कालिका प्रसाद, राजवल्लभ सहाय, मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव, बृहत् हिन्दी कोश: ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. मुख्य सम्पादक, डॉ० लक्ष्मीनारायण शर्मा, परिशोध, मानव-मूल्य विशेषांक, 1993
4. डॉ० धर्मपाल मैनी, भारतीय जीवनमूल्य, भारतीय संस्कृति संस्थान, गुड़गाँव
5. बृहत् प्रशासन शब्दावली, हिन्दी-अंग्रेजी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110006
6. बृहत् प्रशासन शब्दावली, अंग्रेजी-हिन्दी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110006
7. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, मानविकी, खंड- I, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
8. डॉ० अनन्त चौधरी, नागरी लिपि और हिन्दी-वर्तनी बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना-3
9. डॉ० सुरेश सिंहल, अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली-6
10. डॉ० सुरेश सिंहल, प्रयोजनमूलक अनुवाद, मोनिका प्रकाशन, दिल्ली-110053

हिंदी भाषा संवर्धन-2

SEMESTER: 2

Course Code	25HNDX02AE01	Course Credits	2 (L:T:P:) (1:1:0)
Max. Marks	100		

Note: Evaluation will be based on formative assessment.

	Marks distribution
Written test (2 X 10)	20
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 20)	40
Role play	10
Essay / Article / Report writing	20
Attendance	10
Total	100

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्त्व एवं गुणवत्ता से सुविज्ञ करवाकर हिन्दी की ओर उन्मुख करना।
2. रोजगार एवं व्यवसाय के क्षेत्र में हिन्दी को प्रतिष्ठित करना।
3. हिन्दी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा करना।

Course Outcomes:

1. शुद्ध हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि होगी।
2. व्यवसाय एवं रोजगार की उपलब्धता वाले सभी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा में निष्णात युवाओं की प्रतिभागिता में अभिवृद्धि होगी।
3. अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी-भाषा के वर्चस्व की स्थापना होगी और हिन्दी-भाषी को देश और विदेश में समुचित सम्मान मिलेगा।

इकाई-1

पत्रकारिता का अर्थ, उद्भव और विकास, वर्तमान समय में पत्रकारिता का महत्त्व, हिंदी पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाएँ, समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, प्रेस विज्ञप्ति, समाचार लेखक की भाषा,

इकाई – II

प्रूफ संशोधन की परिभाषा, प्रूफ शोधक के आवश्यक गुण, प्रूफ के प्रकार, प्रूफ संशोधन के महत्त्वपूर्ण चिह्न, प्रूफ रीडर के लिए आवश्यक सावधानियाँ, प्रूफ संशोधन में रोजगार,

इकाई- III

साक्षात्कार का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप: कैरियर में साक्षात्कार कौशल का महत्त्व, समालाप्य की भाषा, सम्प्रेषण: अर्थ, परिभाषा एवं प्रक्रिया: भाषा-संप्रेषण के चरण: श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन, लेखन: सम्प्रेषण को प्रभावी बनाने के नियम

इकाई- IV

जीवन कौशल का अर्थ एवं स्वरूप: जीवन कौशल की विशेषताएँ, जीवन कौशल की आवश्यकता एवं महत्त्व, जीवन कौशल के आधार: स्वावलंबन, सहयोगपूर्ण भावना, समस्या समाधान की योग्यता, ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति, कुशाग्रता, चातुर्य, मधुर भाषी, संवेदनशील, स्व-जागरूक, अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण, उदात्त सुदृढ़-मनोबल, निश्चयात्मकवृत्ति:

प्रेरणास्पद पुस्तकें :

1. डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, भाषा और भाषाविज्ञान, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक 3.
2. सम्पा० कालिका प्रसाद, राजवल्लभ सहाय, मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव, बृहत् हिन्दी कोश: ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. मुख्य सम्पादक, डॉ० लक्ष्मीनारायण शर्मा, परिशोध, मानव-मूल्य विशेषांक, 1993
4. डॉ० धर्मपाल मैनी, भारतीय जीवनमूल्य, भारतीय संस्कृति संस्थान, गुड़गाँव
5. बृहत् प्रशासन शब्दावली, हिन्दी-अंग्रेजी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110

Non credit course in Sanskrit Language
For BBA/BCA Program based on AICTE Framework
W.E.F. 2025-26

Offering Department			Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks (formative assessment)
											Internal	External	Internal	External	
Semester I															
Department of Sanskrit	संस्कृत भाषा तथा आधुनिक भारतीय भाषाएं Sanskrit and Modern Indian Languages	25SKTX01AE01	1	1	0	00	1	1	0	02	-	-	-	-	100
Semester II															
Department of Sanskrit	संस्कृत भाषा परिचय Introduction to Sanskrit Language	25SKTX02AE01	1	1	0	00	1	1	0	02	-	-	-	-	100

Semester –I

Name of Program	BBA/BCA	Program Code	
Name of the course	संस्कृत भाषा तथा आधुनिक भारतीय भाषाएं Sanskrit and Modern Indian Languages	Course Code	25SKTX01AE01
Hours/Week		Credits	L: 1, T: 1, P:0 Total Credits: 0
Max. Marks	100		

Course Objectives:-

1. To make students aware of the importance of language.
2. To make students aware of the origin and development of a language.
3. To make students aware of various language families especially Indo European language family.
4. To understand the general introduction to Vedic & Classical Sanskrit and their Literature.
5. To familiarize the students about the contribution of Sanskrit to modern Indian Languages.

Course Outcomes:-

On successful completion of this course, the students will be able to have knowledge regarding:-

1. Origin, Development and Importance of a Language.
2. Indo European and Indo Iranian Language families.
3. Vedic Sanskrit and its Literature.
4. Classic Sanskrit and its Literature.
5. Contribution of Sanskrit to Ancient and Modern Indian Languages.

Unit –I

General introduction to language भाषा का सामान्य परिचय	
i.	Importance of language भाषा का महत्त्व
ii.	Origin and development of language भाषा का उद्भव और विकास
iii.	Language families भाषा परिवार

Unit –II

General introduction to Indo European language family

भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय

- i. Indo European language family
भारोपीय भाषा परिवार
- ii. Indo-Iranian branch
भारत - ईरानी शाखा

Unit –III

General introduction to Vedic and Classical Sanskrit Languages

वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय

- i. Vedic Sanskrit and its Literature
वैदिक संस्कृत तथा उसका साहित्य
- ii. Classical Sanskrit and its literature
लौकिक संस्कृत तथा उसका साहित्य

Unit –IV

General introduction to Pali, Prakrit, Apbhransh and Modern Indian Languages

पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

- i. Pali, Prakrit and Apbhransh languages
पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश भाषाएं
- ii. Modern Indian Languages
आधुनिक भारतीय भाषाएं
- iii. Contribution of Sanskrit to Modern Indian Languages
संस्कृत का आधुनिक भारतीय भाषाओं को प्रदाय

Note: Evaluation will be based on formative assessment.

	Marks distribution
Written test (2 X 10)	20
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 20)	40
Role play	10
Essay / Article / Report writing	20
Attendance	10
Total	100

Suggested Readings:-

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र डॉ० कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशनए वाराणसी।
2. भाषाविज्ञान, डॉ० कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
3. A manual of Sanskrit phonetics by C. Uhlenbeck.
4. Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.
5. Language, its nature, development and origin, O. Jesperso.

Semester –II

Name of Program	BBA/BCA	Program Code	
Name of the course	संस्कृत भाषा परिचय Introduction to Sanskrit Language	Course Code	25SKTX02AE01
Hours/Week		Credits	L: 1, T: 1, P:0 Total Credits: 0
Max. Marks	100		

Course Objectives:-

1. To make students aware of Sanskrit sound – Vowels, Consonants etc.
2. To make students aware of points of articulation.
3. To understand the basic principles of conditional phonetic changes.
4. To understand the structure of words and sentences.
5. To familiarize the students about the nominal compounding.

Course Outcomes:-

On successful completion of this course, the students will be able to:-

1. The basic structural knowledge of Sanskrit Language.
2. Develop an interest in Sanskrit.
3. Get motivated to study the Sanskrit.
4. Know the structure of sentences.
5. Know the structure of compounding.

Unit –I

General introduction to Sanskrit Sounds

संस्कृत ध्वनियों का सामान्य परिचय

- i. Vowels (Simple Vowels, Complex Vowels)
स्वर(अच्) (शुद्ध स्वर, संयुक्त स्वर)
- ii. Consonants (Stops Nasal, Semi Vowels, Sibilants, Anusvara and Visarga)
व्यञ्जन(हल्) (स्पर्श नासिक्य, अन्तस्थ, ऊष्म, अनुस्वार, विसर्ग)
- iii. Points of Articulation (Throat, Roof, Palate, Teeth, Lips, Nose)
उच्चारण स्थान (कण्ठ, मूर्धा, तालु, दन्ताः, ओष्ठौ, नासिका)

Unit –II

General introduction to Conditional Phonetic Changes

सन्धि का सामान्य परिचय

- i. Phonetic change where vowel is replaced
स्वरसन्धि
- ii. Phonetic change where consonant is replaced
व्यञ्जनसन्धि
- iii. Phonetic change where visarga is replaced
विसर्गसन्धि

Unit –III

General introduction to the Structure of Sentences**वाक्य संरचना का सामान्य परिचय**

- i. Sentence
वाक्य
- ii. Word (Subanta, Tinanta, Kridanta, Taddhita)
पद (सुबन्त, तिङन्त, कृदन्त, तद्धित)

Unit –IV**General introduction to Nominal Compounding****समास का सामान्य परिचय**

- i. Avyayeebhava , Tatpurusha
अव्ययीभाव, तत्पुरुष
- ii. Dvandva, Bahuvreehi
द्वन्द्व, बहुव्रीहि

Note: Evaluation will be based on formative assessment.

	Marks distribution
Written test (2 X 10)	20
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 20)	40
Role play	10
Essay / Article / Report writing	20
Attendance	10
Total	100

Suggested Readings:-

1. Mishra, Dr. Yadunandan, Anuvada Chandrika, Chaukhambha Orientaliya, Delhi, 2021.
2. Apte, Vaman Shivram, students Guide to Sanskrit Composition, The Standard Publishing Company, Girgaon, Bombay, 1925.
3. Tripathi, Dr. Brahmananda, Rupa Chandrika, Chaukhamba Surbharati Prakashan, Varanasi, 2008.
4. Kridanta Rupa Mala – Srijan Jha – App. Available on Google Play Store.
5. Online tools for Sanskrit grammar developed by computational linguistics group, Department of Sanskrit, University of Delhi: <http://du.ac.in>.